IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, February 2026
Impact Factor: 8.2

भारत में गिग इकोनॉमी का रोजगार सृजन पर प्रभाव: 2025-2030 के बीच अनुमानित 2.35 लाख करोड़ रुपये GDP योगदान का विश्लेषण

डॉ. दिलीप तिवारी

अतिथि विद्वान- वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

गिग इकोनॉमी भारत में तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म्स (जैसे Ola, Uber, Swiggy, Zomato) **के माध्यम से लचीले रोजगार प्रदान करता है। आर्थिक सर्वेक्षण** 2025-26 **के अनुसार,** FY 2021 **में** 77 **लाख गिग वर्कर्स से बढ़कर** FY 2025 **में** 1.2 **करोड़ हो गए हैं, जो कुल कार्यबल का** 2% **से अधिक है।** 2029-30 **तक गैर-कृषि गिग कार्यबल** 6.7% **तक पहुँचने और** ₹2.35 **लाख करोड़** GDP **योगदान देने का अनुमान है। यह शोध पत्र गिग इकोनॉमी के रोजगार सृजन, आर्थिक योगदान, चुनौतियों (आय अस्थिरता, सामाजिक सुरक्षा की कमी) और नीतिगत सुझावों का विश्लेषण करता है। द्वितीयक डेटा पर आधारित यह अध्ययन दर्शाता है कि गिग इकोनॉमी रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, लेकिन श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।**

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-31165

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, February 2026
Impact Factor: 8.2

कीवर्ड्स (Keywords): **गिग इकोनॉमी**, **रोजगार सृजन**, GDP **योगदान**, **डिजिटल प्लेटफॉर्म्स**, **सामाजिक सुरक्षा**, **आर्थिक सर्वेक्षण** 2025-26, NITI Aayog, **भारत में गिग वर्कर्स**